भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

31.07.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1561 का उत्तर

अंबिकापुर-बरवाडीह रेणुकूट रेल लाइन बिछाना

1561. श्री चिन्तामणि महाराज:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या अंबिकापुर-बरवाडीह और रेणुकूट रेल मार्ग के बिछाए जाने से इस क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होने की संभावना है क्योंकि इस क्षेत्र के लौह अयस्क, बॉक्साइट, ग्रेफाइट जैसे खनिजों की मांग पूरे देश में है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इन खंडों को रेल लाइन से जोड़ने के बाद पूरे देश में खनिजों की आपूर्ति आसान होने की संभावना है और इससे पश्चिम के लिए वैकल्पिक संपर्क उपलब्ध होने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इन रेल लाइनों के गया, मुगलसराय और पटना के लिए वैकल्पिक मार्ग भी साबित होने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सर्वेक्षण का कार्य पूरा कर लिया गया है; और

(ड.) यदि हां, तो रेल लाइन बिछाने का कार्य कब तक प्रारंभ हो जाएगा?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ड.): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

अंबिकापुर-बरवाडीह रेणुकूट रेल लाइन बिछाने के संबंध में दिनांक 31.07.2024 को लोक सभा में श्री चिन्तामणि महाराज के अतारांकित प्रश्न सं. 1561 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ड.): रेलवे परियोजनाओं को स्वीकृत करना भारतीय रेल की सतत एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। रेल अवसंरचानात्मक परियोजनाओं को खनिज पदार्थों के परिवहन सहित लाभप्रदता, अंतिम छोर तक संपर्क, मिसिंग लिंक्स, संभार कुशल एवं वैकल्पिक मार्गों और भीड़-भाड़/संतृप्त लाइनों के संवर्धन सामाजिक-आर्थिक पहलुओं आदि के आधार पर शुरू किया जाता है जो चालू परियोजनाओं की दायिताओं, निधि की समग्र उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी मांगों पर निर्भर करता है।

अंबिकापुर-रेणुकूट (152 किमी) और अंबिकापुर-बरवाडीह (200 किमी) के बीच नई रेल लाइन के लिए सर्वेक्षण विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए स्वीकृत कर दिए गए हैं।

गया, पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर (मुगलसराय) और पटना रेलवे स्टेशन पहले से ही मौजूद रेल नेटवर्क के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं।